my city
देहरादून | मंगलवार • 03.12.2024
अमर उजाला
02
amarujala.com/roorkee

उपस्थिति पूरी नहीं तो परीक्षा के प्रवेश पत्र नहीं होंगे जारी

उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय ने संबद्ध संस्थानों को भेजा छात्रों की उपस्थिति का रिकॉर्ड, जताया असंतोष

संवाद न्यूज एजेंसी

रुड़की। उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय ने अपने सभी संबद्ध संस्थानों को उनके यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की उपस्थिति का रिकार्ड भेजा है। जिसमें कम उपस्थिति को लेकर असंतोष जताया है।

निर्देश दिए हैं कि उपस्थिति पूर्ण कराने के साथ ही उसे विवि के यूएमएस पोर्टल पर भी अपलोड करें। ऐसा नहीं करने वाले छात्रों के एडमिट कार्ड रोक दिए जाएंगे। बता दें कि इसी तरह के प्रकरणों में विश्वविद्यालय ने पिछले सेमेस्टर में 844 छात्रों के प्रवेश पत्रों पर रोक लगा दी थी।

विवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनय कुमार पटेल की ओर से सभी संस्थानों के निदेशकों को पत्र जारी किया गया है। जिसमें बताया है कि 21 नवंबर को विवि ने वेबसाइट पर उपस्थिति से संबंधित सूची जारी की है। जिसके अनुसार छात्रों की कक्षाओं में समुचित उपस्थिति नहीं है, इसके कारण छात्रों के अध्ययन-अध्यापन को गुणवत्तापरक करने में संस्था एवं विवि स्तर के प्रयास विफल हो रहे हैं।

844

छात्रों के पिछले साल प्रवेश पत्र जारी नहीं होने से अटक गए थे परीक्षा परिणाम

पत्र में यह भी बताया है कि उपस्थिति का विवरण विवि के यूएमएस (यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम) पर उपलब्ध अटेंडेंस मैनेजमेंट सिस्टम से लिया गया है। ऐसे में संस्थानों को छात्रों की उपस्थिति पूर्ण कराने के साथ ही उपस्थिति को यूएमएस पोर्टल भी अपलोड करना होगा।

ऐसा नहीं होने पर संबंधित छात्रों के एडमिट कार्ड रोक दिए जाएंगे। पत्र में 20 दिसंबर से प्रस्तावित परीक्षाओं से पूर्व उपस्थिति पूर्ण कराने के साथ ही पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है। पिछले सत्र में भी 844 छात्रों के प्रवेश पत्र रोक दिए गए थे, जिनमें से कई छात्रों को स्पेशल बैक देनी पड़ी थी।

छात्रों को भी जारी की गई है एक सूची

विवि ने 9 नवंबर तक की संकलित की गई उपस्थिति की जानकारी 12 नवंबर को समस्त कॉलेज, फैकल्टी व छात्रों को पोर्टल के जरिए उपलब्ध कराई है। ऐसे में छात्र भी पोर्टल के माध्यम से उपस्थिति का आकलन कर इसमें सुधार कर सकेंगे।

संस्थानों को समय से अपलोड करने होंगे परीक्षा अंक

संस्थानों को प्रयोगात्मक एवं सैद्धांतिक सत्रांत परीक्षा के अंक पोर्टल पर अपलोड करने अनिवार्य है। विवि ने स्पष्ट किया है कि अंक अपलोड नहीं होने पर प्रवेश पत्र जारी नहीं होंगे। जिसकी जिम्मेदारी संस्थानों की होगी। बता दें कि कई बार संस्थानों की लापरवाही का खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ा है।